कृषि नवाचार

ISSN: 3048-6092
https://www.krishinavachar.in
खण्ड 02 भाग 11 फरवरी, 2026

नीति अनिश्चितता और कृषि निवेश

वीणा राठौर [1*], नेहा द्विवेदी [2], सेबिनसारा सोलोमन [3] और किरण सोनी [4]

[1]सहायक प्रोफ़ेसर (अनुबंधात्मक शिक्षक), कृषि अर्थशास्त्र विभाग, के.एन.के. उद्यानिकी महाविद्यालय, मंदसौर, राजमाता विजयाराजे कृषि वि.वि., (म.प्र.)

[2]सहायक प्रोफ़ेसर (अनुबंधात्मक शिक्षक), कृषि अर्थशास्त्र विभाग, कृषि महाविद्यालय, इंदौर, राजमाता विजयाराजे कृषि वि.वि., (म.प्र.)

[3]सहायक प्रोफ़ेसर, कृषि अर्थशास्त्र विभाग, कृषि महाविद्यालय, जे.एन.के.वि. वि., जबलपुर

[4]सहायक प्रोफ़ेसर (अनुबंधात्मक शिक्षक), बागानी मसाला औषधीय और सगंध पौधा विभाग, के.एन.के. उद्यानिकी महाविद्यालय, मंदसौर, राजमाता विजयाराजे कृषि वि.वि., (म.प्र.)

***E-mail: vrathore137@gmail.com**

नीति अनिश्चितता क्या है

नीति अनिश्चितता से तात्पर्य उन स्थितियों से है जहाँ सरकार की नीतियाँ स्पष्ट, स्थिर और भविष्य-उन्मुख नहीं होती हैं। इसका अर्थ यह है कि किसान, निवेशक या व्यवसायी यह नहीं जान पाते कि भविष्य में नीतियाँ किस दिशा में बदलेंगी जैसे- कर नियम, सब्सिडी, निर्यात नियम, समर्थन मूल्य, पर्यावरण नीति आदि। इससे उन्हें दीर्घकालिक योजना बनाने में कठिनाई होती है। नीति अनिश्चितता का स्तर बढ़ने पर खाद्य और कृषि नीतियों से जुड़ी अस्थिरता भी पैदा होती है, जिससे निवेश की योजना प्रभावित होती है।

कृषि निवेश क्या होता है

कृषि निवेश से तात्पर्य उन पूंजीगत खर्चों से है जो कृषि उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए किए जाते हैं जैसे- सिंचाई प्रणाली, मशीनरी, बुनियादी ढांचे, उन्नत बीज, तकनीक, भंडारण सुविधाएँ आदि। ये निवेश लम्बे समय में कृषि उत्पादन, दक्षता और किसानों की आय को बढ़ाते हैं।

नीति अनिश्चितता का कृषि निवेश पर असर

1. निर्णय की देरी: जब नीतियाँ स्पष्ट नहीं होतीं, तो निवेशक जोखिम से बचने के लिए निवेश को टाल देते हैं। उदाहरण के लिए, यदि सरकार भविष्य में समर्थन मूल्य या सब्सिडी बदल सकती है, तो किसान और निवेशक बड़े निवेश को छोड़ देते हैं क्योंकि उन्हें भविष्य के लाभ का भरोसा नहीं होता। अध्ययनों में यह पाया गया है कि नीति अनिश्चितता आमतौर पर कृषि निवेश को धीमा करती है और निवेश निर्णयों को स्थगित करती है।

2. जोखिम में वृद्धि: नीति अनिश्चितता से वित्तीय और परिचालन जोखिम बढ़ जाते हैं। निवेशक को यह अंदेशा होता है कि नीति बदलने से पूंजी गंवाई जा सकती है, इसलिए वे सस्ता या छोटा निवेश चुनते हैं। अनुसंधान संकेत करते हैं कि नीति अनिश्चितता वित्तीय जोखिम को बढ़ाती है और दीर्घकालिक निवेश को कम करती है।

3. निवेश की लागत बढ़ना: यदि नीति बार-बार बदलती है, तो बैंक या वित्तीय संस्थान कृषि ऋण देने में अधिक जोखिम प्रीमियम (उच्च ब्याज) लेते हैं, जिससे किसानों के लिए पूंजी महँगी हो जाती है।

4. उत्पादन और बाजार में अस्थिरता: अनिश्चितता के कारण बाजार कीमतों और उत्पादन पर भी असर पड़ता है। जब किसान भविष्य की नीति स्पष्ट नहीं होती देखता है तो वे उत्पादन को कम करते हैं, जिससे आपूर्ति और कीमतों में उतार-चढ़ाव अधिक होता है।

5. निर्यात पर प्रभाव: नीति अनिश्चितता कृषि निर्यात को भी प्रभावित करती है क्योंकि निर्यातकों को यह पता नहीं होता कि सरकार भविष्य में किस तरह की व्यापार नीतियाँ अपनाएगी। इससे निर्यात योजनाएँ और विदेशी मांग प्रभावित होती है।

कृषि निवेश और नीति अनिश्चितता: शोध-आधारित निष्कर्ष

1. नीति अनिश्चितता से निवेश की गति कम होती है: शोध बताते हैं कि नीति अनिश्चितता वाले वातावरण में कृषि निवेश की दर गिरती है क्योंकि निवेशक जोखिमों से बचने के लिए नीतिगत संकेतों का इंतजार करते हैं।

2. स्थिर नीति निवेश को बढ़ाती है: जब नीति स्पष्ट और पूर्वानुमान योग्य होती है, तो निवेशकों को विश्वास मिल जाता है और वे दीर्घकालिक परियोजनाओं में पूंजी लगाते हैं, जैसे सिंचाई, आधुनिक कृषि, और भंडारण।

3. अनिश्चितता कृषि निर्यात और बाजारों को प्रभावित करती है: अध्ययन बताते हैं कि नीति अनिश्चितता कृषि निर्यात को भी प्रभावित करती है, खासकर उभरती अर्थव्यवस्थाओं में जहां निवेश निर्णय अधिक नीति-निर्भर होते हैं।

नीति अनिश्चितता से निपटने के उपाय

ISSN: 3048-6092
https://www.krishinavachar.in
खण्ड 02 भाग 11 फरवरी, 2026

1. नीति पारदर्शिता: नीति को अधिक स्पष्ट और समय-बद्ध रूप से लागू करना चाहिए ताकि किसानों और निवेशकों को भविष्य बारे में भरोसा हो।

2. दीर्घकालिक नीति दिशा: सरकार को दीर्घकालिक कृषि विकास योजनाओं का संकेत देना चाहिए, जैसे समर्थन मूल्य स्थिर करना, निर्यात नियम स्पष्ट करना, सब्सिडी की समयावधि तय करना आदि।

3. स्थिर वित्तीय व्यवस्था: ऋण और बीमा जैसी वित्तीय संस्थाएँ दीर्घकालिक कृषि निवेश के लिए आसान ऋण और जोखिम प्रबंधन विकल्प प्रदान कर सकती हैं।

4. सूचना प्रणाली सुधार: किसानों को नवीनतम नीति अपडेट, बाजार जानकारी और जोखिम प्रबंधन तकनीकों के बारे में अधिक जानकारी देना चाहिए, जिससे वे बेहतर निवेश निर्णय ले सकें।

निष्कर्ष

नीति अनिश्चितता कृषि निवेश के लिए एक महत्वपूर्ण बाधा है। यह न केवल निवेश की गति को कम करती है बल्कि जोखिम, उत्पादन, कीमतों और निर्यात को भी प्रभावित करती है। स्थिर, स्पष्ट और पूर्वानुमान योग्य नीति वातावरण किसानों और निवेशकों के लिए विश्वास का निर्माण करता है और दीर्घकालिक कृषि विकास को बढ़ावा देता है। यदि कृषि नीति योजनाओं को दीर्घकालिक दृष्टि, पारदर्शिता और रणनीति के साथ लागू किया जाए, तो इससे कृषि निवेश में वृद्धि हो सकती है और किसान आर्थिक रूप से अधिक सशक्त बन सकते हैं।

●●●